

# SVEP Bulletin Jharkhand

Volume I, Oct 2018-Jan 2019

*The Start-up Village Entrepreneurship Program (SVEP) envisages the promotion of rural livelihoods through community-led enterprise promotion at the block-level. Kudumbashree-NRO has established long-term partnerships with JSLPS since 2013. As of now, Kudumbashree- NRO is extending its technical support in 9 blocks namely, Angara of Ranchi, Khuntpani & Manoharpur of West Singhbhum, Littipara & Pakuria of Pakur, Chattarpur & Satbarwa of Palamu, Dumri & Bengabad of Giridh district. Recently, In Dec '2018, three new blocks namely, Domchanch, Daru & Gola block of Koderma, Hazaribagh & Ramgarh District has also included in the list.*

## Khuntpani



Target till Mar 2019	No. of enterprises Started till now	Amount of loan released from CEF	Amount of CEF repaid	Bank Linkages
325	217	77,20,000	15,00,826	0

## Manoharpur



Target till Mar 2019	No. of enterprises Started till now	Amount of loan released from CEF	Amount of CEF repaid	Bank Linkages
659	282	11,622,500	1,587,129	05

## Litipara



Target till Mar 2019	No. of enterprises Started till now	Amount of loan released from CEF	Amount of CEF repaid	Bank Linkages
542	228	89,67,000	6,84,054	0

**Khuntpani Block of West Singhbhum District receiving Best Performing SVEP block Award of the quarter from CEO of JSLPS.**



**Litipara Block of Pakur District receiving 2nd Best Performing SVEP block Award of the quarter from CEO of JSLPS**



# Pakuria

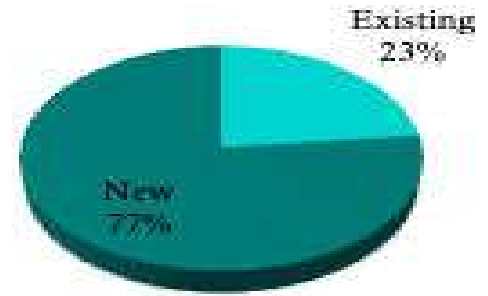


Target till Mar 2019	No. of enterprises Started till now	Amount of loan released from CEF	Amount of CEF repaid	Bank Linkages
709	287	1,02,10,000	11,01,548	0

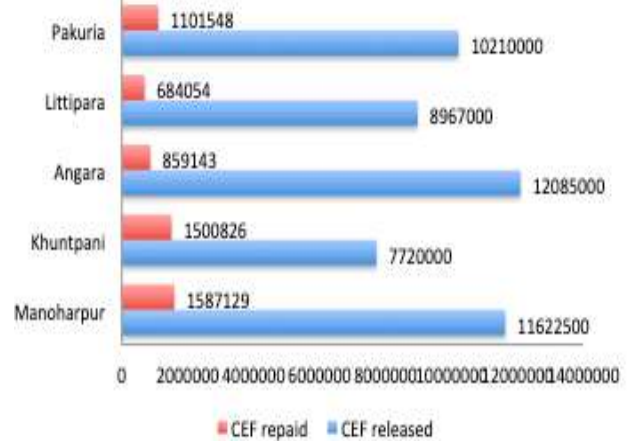
# Angara



Target till Mar 2019	No. of enterprises Started till now	Amount of loan released from CEF	Amount of CEF repaid	Bank Linkages
644	285	1,20,85,000	8,59,143	0



\* Existing Enterprise Vs New Enterprise Supported in SVEP



## Inauguration of Weekly market by Panchayat President Jeetpur Village of Dumri Block

## Sales Figure of the Market



No of Entrepreneurs Participated: 25

No of New Enterprises: 15

No of Existing Enterprises: 10

Total Sales of the day: Rs. 23,500

Types of Enterprises Participated:

-Clothes stall: 03

-Fancy items stall: 03

-Vegetable stall: 05

-Fast food stall: 03

-Kirana items stall: 03

- Tea & Snacks stall: 02

- Fish seller: 03

-Optical stores: 02

-Toys seller: 01

Timing of market: Every Saturday 3 P.M to 6.30 PM

No of Customers visited: Above 250 villagers



SVEP Micro-Enterprises from Giridih and Palamu district presenting their stall in Saras Mela October '2018 at Dhanbad



# SVEP best practices of Jharkhand featured in Local newspapers and Magazines

## आर्थिक रूप से समृद्ध हुई फैजान बीबी



पलामू जिले के सतबरवा प्रखंड अंतर्गत धावाडोल गांव की रहनेवाली फैजान बीबी आज अपने परिवार के साथ खुशहाल जिंदगी जी रही हैं. वह आटा चक्की चलाती हैं. इससे अपने परिवार का खर्च निकाल रही हैं. पहले फैजान बीबी कपड़ा सिलाई का काम करती थीं और पति खेती-बारी का. इससे परिवार का खर्च चलाना काफी मुश्किल होता था. इस बीच फैजान बीबी को महिला समूह की जानकारी मिली. वर्ष 2014 में वह गांव में संचालित खुशवा आजीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ गयीं. समूह की गतिविधियों में सक्रिय रहने व कुछ करने को सोच से फैजान ने समूह से 90 हजार रुपये का लोन लिया. इस राशि से उन्होंने आटा चक्की की दुकान खोली. धीरे-धीरे आमदनी बढ़ने लगी. इसके बाद उन्होंने घान कूटने वाली मशीन खरीदी. इससे उन्हें और मुनाफा होने लगा. अब फैजान अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ा रही हैं. उन्हें महीने में पांच से आठ हजार रुपये की आमदनी हो जाती है. अच्छी कमाई होने के कारण उन्होंने अब तक 72 हजार रुपये का लोन भी चुका दिया है.



ममता देवी

प्रखंड : मेदिनीनगर  
जिला : पलामू

## चियांकी अनुसंधान केंद्र में प्रशिक्षण शुरू



मेदिनीनगर. चियांकी स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा चलाये जा रहे झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के तहत छह दिवसीय प्रशिक्षण शुरू किया गया. सोमवार को इसका उद्घाटन जिला प्रबंधक कुमार डीडी सिंह व अनुसंधान केंद्र के एसोसिएट डायरेक्टर प्रमोद कुमार ने संयुक्त रूप से किया. मौके पर प्रबंधक श्री सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण में बताया गयी बातों को अपने कार्य क्षेत्र में शत-प्रतिशत उतारने के लिए पूरे लगन के साथ प्रशिक्षण लेना होगा. उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से उद्यमिता कार्यक्रम के तहत उद्यमिता विकास को बढ़ावा देना है. इस कार्यक्रम के तहत अगले चार वर्षों में 2269 व्यापार शुरू किये जायेंगे. एसोसिएट डायरेक्टर प्रमोद कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण से ऊर्जा मिलती है. नयी-नयी जानकारी मिलती है. उस जानकारी को गांव के लोगों तक पहुंचाने में प्रशिक्षणार्थियों को महत्वपूर्ण भूमिका है. उन्होंने लोगों से प्रशिक्षण में बताया गयी बातों को अमल में लाने की अपील की. प्रशिक्षक के रूप में सुधांशु शेखर साहू, महाराष्ट्र के वैभव मोटे, केरल से कुटुंबश्री से आशा राजेंद्रन, बेबी शलिना प्रशिक्षण दे रही हैं. प्रशिक्षण में छतरपुर व सतबरवा प्रखंड के लोग शामिल हैं.

### सरती मंडल से सफल उद्यमी की ओर...

झारखंड राज्य का सबसे विकसित जिला है कपड़ों, विभिन्न परिधानों और बुनेपारी आभूषणकार्यों की पूर्ति के लिए की जाती है. कपड़ा, रेशमी व जूट के धातों की कच्चा माल है. यहां पर विराटपुर प्रखंड में विभिन्न प्रकार के कपड़े बनाते हैं. कच्चा माल के निर्यातों के कारण आजीविका की कमी रहती है. झारखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा इस विधि को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया. जिससे उद्योग बढ़े के कई परिवारों की विधियों में बदलाव आया है। ऐसा ही एक परिवार है गुलबहार बेगम का।

गुलबहार प्रखंड, प्रखंड में है। झारखंड अपने धातु की उद्योग से अग्रणी। लगभग 30 साल पहले इनके पति गुलबहार के छोटे व्यवसायी थे। इस विचारों से उन्हें अपने आत्म-दाना पहलु का। रही सरती प्रखंडका गुलबहार से हुई। नजदीकियां बंदी और रोजे ने जारी कर ली। सरती के बाद गुलबहार जब अपनी सफलता करी। तो उनके पास तबत उद्योग विकसित गई। एक नयी सरती सुदा मशीन की राते सतने बहर-सारा हो गए। सतबरवा की किरि बहल टाकीयत की। पर के नाम पर एक छोटी और कमाई के काम पर की की सुरती कर कमाई। दो प्रता का बीजम जुटाया एक ब्रुक बरतत था। जैसे-जैसे इनका जीवन बरतत होने लगा। बच्चे हुए, सम्भारों और बंदी होती गयी। किन्मत ने गुलबहार को अपने घर ही रबी बरतत। इनके दो बच्चे विद्याल है और एक की इच्छा बरतत ही रहती है।

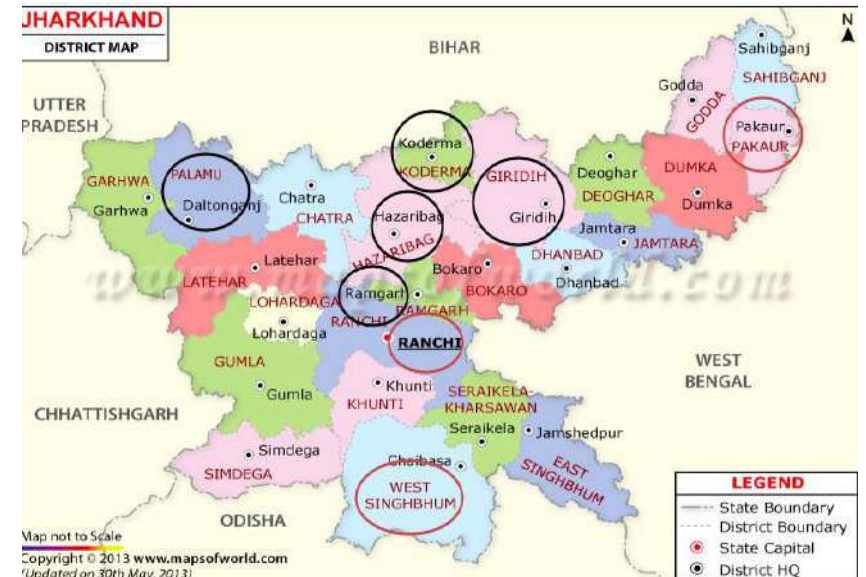
गुलबहार के सामने तबतका ही अंतर था और सतबरवा के नाम पर एक दुकान। गुलबहार प्रखंड की बंदी बनजाते थे। इनकी विद्युत में नजदीकियां के द्वारा उद्यमिता केंद्र और सतबरवा की बला सतबरवा आभूषण की। जिस सतरी को बरतत नहीं आता सरती सरती करी गयी। इनके पास भी वह नजदीकियां थी। उन्होंने धीरे-धीरे कुछ पैसों का जुगाड़ किया और अपने से इनके धातु-मिला के की कुछ माल की। इन्होंने का से कुछ सतबरवा और सतबरवा लाने का प्रयास किया। इनके पति बेतते थे। इनके साथ पति जोने उनके विचारों परिवार का सतबरवा सतबरवा लाने। सरती की सतबरवा पति के लोनों की उद्यमिता मगर ही हो रही थी।

गुलाम सरवर समेत कई मौजूद थे.

## लघु व सूक्ष्म उद्योग के लिए युवाओं को प्रशिक्षण गिरिडीह.

शहरी क्षेत्र के विशनपुर स्थित करियर कैंपस के हॉस्टल में सोमवार को जेएसएलपीएस के द्वारा आयोजित एसवीइपी कार्यक्रम के लिए टीम प्रशिक्षण कैंप का उद्घाटन किया गया. उद्घाटन डुमरी के बीपीओ राजेश यादव ने किया. बताया कि यह प्रशिक्षण शिविर का आयोजन बेंगाबाद व डुमरी प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में लघु व सूक्ष्म उद्योग की स्थापना के उद्देश्य से किया जा रहा है. कार्यक्रम के कुशल संचालन के लिए बेंगाबाद व डुमरी प्रखंड के युवाओं को चयन सीआरपीईपी पद के लिए किया गया. इन युवाओं को व्यापार व सूक्ष्म उद्यम से संबंधित लक्ष्यों के लिए 54 दिनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा. मौके पर प्रीता और राजी के साथ महाराष्ट्र के मास्टर प्रशिक्षण ज्योतिराम और नीता के अलावे बेंगाबाद, डुमरी के सीआरपी उपस्थित थे.

## KUDUMBASHREE NRO's Presence in Jharkhand







On 30<sup>th</sup> Nov 2018, CEO of JSLPS signed MOU with Kudumbashree NRO to extend technical support for the blocks namely, Domchanch, Daru and Gola Blocks of Koderma, Hazaribagh and Ramgarh District. DPR preparation has been initiated for these three newly signed blocks.

**SVEP in Social Transformation**

**Sidhu Kanhu Classes**, A nursery school in Bhoja village of Khuntpani block supported under SVEP. As village do not have any nursery school with better amenities So, BRC Khuntpani supported the school to meet the basic facilities like reading materials, infrastructure for the school. Currently, 45 students are enrolled in the school.



Picture 1. Uma Devi- The Entrepreneur

**Uma Devi** stays in Sirka in Maheshpur, Angara Block. She had started Chaat shop with the help of SVEP with an initial loan amount of 50,000 rupees in which they have brought the movable vehicle called “thela”, moneybox, glass boxes and utensils to keep the products and ingredients. SVEP project turned out to be a great help for them to run their own business according to their own ways, without any authoritative body

*The SVEP bulletin is a quarterly update on the progress of the field level implementation of SVEP in the blocks of Jharkhand where Kudubashree NRO is working as PIA.*



**Kudumbashree NRO**  
3rd Floor, Carmel Towers  
Cotton Hill, Vazhuthacaud  
Thiruvananthapuram, Kerala 695014  
Email: [keralanro@gmail.com](mailto:keralanro@gmail.com)

